जीवन-परिचय

नाम	**: राजयोगी ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई**
जन्म	**: 15-08-1937**
शिक्षा	**: B.Sc. (Engineering)**
ज्ञान आयु	**: सन् 1957 से**
समर्पित काल	**: सन् 1961 से**
पद	**: संपादक 'ज्ञानामृत' तथा 'द वर्ल्ड रिन्युअल'**
	प्रकाशक, ईश्वरीय साहित्य
	नेशनल को-ऑर्डिनेटर, मीडिया विंग
	मेम्बर, राजयोग एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन

आप 20 वर्ष की नौजवान अवस्था में इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय से जुड़े। लौकिक पढ़ाई में आप सदा छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करते रहे। सन् 1961 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने पर साकार बाबा के वरदानी बोलों ने ही आपको ईश्वरीय सेवा में समर्पित कराया। आपने विद्यालय की ईश्वरीय सेवा के प्रारंभिक काल में बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप अपने परिवार में माता-पिता सहित सभी भाई-बहनों को ईश्वरीय ज्ञान में लाने के निमित्त बने। पहले-पहले आपने देहली में चित्रशाला बनाई जिसके द्वारा भारत भर के सेवाकेन्द्रों के म्यूजियम, प्रदर्शनियाँ, मेले आदि तैयार हुए। बापदादा की मार्गदर्शना में आपने अनेक नये-नये चित्र ईजाद किये। इसके बाद भ्राता जगदीश जी के साथ ईश्वरीय साहित्य की सेवा में भी आपने अथक सहयोग दिया। सन् 1981 में आपको 'ज्ञानामृत' तथा 'द वर्ल्ड रिन्युअल' का संपादकीय भार सौंपा गया। सन् 1992 में प्यारे बाबा ने आपको शान्तिवन बेहद घर में बुलाकर देश-विदेश की बेहद सेवा के निमित्त बना दिया। मीडिया विंग का निर्माण होने पर आपको इसका नेशनल को-ऑर्डिनेटर बनाया गया।

आप बहुत ही सरलचित्त, सर्व के स्नेही, सहयोगी, यज्ञ प्रति ईमानदार, बड़ो के आज्ञाकारी तथा अथक सेवाधारी हैं।

Bio-Data

Name	: Rajyogi BK Bro. Atam Prakash
Date of Birth	: 15-08-1937
Edcational Qualification	: B.SC. (Engineering)
Alokik Age	: 53 years (Since 1957)
Year when surrendered	: In 1961
Designation and Placements	: 1. Editor, 'Gyanamrit' and 'The World Renewal'
	2. Publisher, Godly literature
	3. National Coordinator, Media Wing
	4. Member, Rajyoga Education & Research Foundation

You have been connected with Brahma Kumaris since the age of 20. In academic education, you always got scholarships. Completion of Engineering degree in the year 1961, Corporeal BapDada's blissful words enabled you to get surrendered. You played very crucial role in the primary years of Godly service. You became instrumental in bringing your entire family members i.e. parents, brothers and sisters in this Godly knowledge. You established first picture-gallery in Delhi through which the museum of the centres, exhibitions, fairs could be prepared throughout India. Through BapDada's guidance you added new pictures for Godly service. Thereafter, along with senior Bro. BK Jagdishji, you gave your untiring cooperation in the service of Godly literature also. In the year 1980, you were assigned with the editorial responsibility of Gyanamrit and The World Renewal. In the year 1992, loving Baba called you to the unlimited home of Shantivan and made you instrumental in the service of India as well as abroad. On the establishment of Media Wing, you were appointed as its National Coordinator.

You are very easy natured, co-opeative, honest towards Yagya, obedient to elders and an untiring Godly Servant.